जीएम सरसों का विरोध विज्ञान और किसान विरोधी

नई दिल्ली (ए)। जीएम सरसों का विरोध किये जाने पर कड़ी आपत्ति जताते हुये एसोसिएशन ऑफ बायोटेक लेड इंटरप्राइजेज एग्रिकल्चर फोक्सड ग्रुप (एबीएलई एजी) ने कहा कि यह न/न सिर्फ विज्ञान के बल्कि किसानों के भी खिलाफ है।

एग्रि बायोटेकनोलॉजी क्षेत्र की कंपनियों के इस प्रमुख संगठन की प्रबंधन समिति के प्रमुख एवं श्रीराम बायोसीड जेनेटिक्स इंडिया लिमिटेड के प्रबंध निदेशक (शोध) डॉ. परेश वर्मा ने कहा कि एक संगठन के तौर पर उनकी प्रतिबद्धता सुरक्षित और नवाचारी एग्रि बायोटेकनोलॉजी सॉल्यूशंस के जरिये किसानों के लिए मूल्य संवर्धन करना है। उन्होंने कहा कि देश में दूसरी हरित क्रांति के लिए सिर्फ खाद्य और पोषक तत्वों की सुरक्षा ही आवश्यक नहीं है बल्कि इसके लिए जीएम टेकनोलॉजी सहित सभी प्रौद्योगिकी जरूरी है। डॉ. वर्मा ने कहा कि भारतीय किसान बीटी कॉटन टेकनोलॉजी का लाभ देख चुके हैं और अब उनका संगठन सरकार और नीति निर्माताओं से किसानों के हितों को प्राथमिकता देने और वैज्ञानिक एवं सामाजिक आर्थिक आधार पर निर्णय लेने की अपील करता है।